C

SCR 745

ANNUAL EXAMINATION MODEL QUESTION MARCH 2020 - 21

STD. X **Third Language**

Time : 90 minutes **HINDI** **Total Score : 40**

सामान्य निर्देश :

- पहला बीस मिनट कूल ऑफ़ टाईम है ।
- इस समय प्रश्नों का वाचन करें और उत्तर लिखने की तैयारी करें ।
- वैकल्पिक प्रश्नों में से किसी एक का ही उत्तर लिखें ।

Score

भाग – 1 किन्हीं एक सूचना के प्रश्नों के उत्तर लिखें ।

(क) सूचना : ' बीरबहूटी ' कहानी का यह अंश पढ़ें और प्रश्न 1 से 2 तक के उत्तर लिखें ।

> उन्हें बीरबहूटियों से मिलना होता था । सो वे स्कूल केलिए घर से कुछ समय पहले निकल आते थे । कस्बे से सटे इन खेतों में बीरबहूटियाँ खोजा करते थे । सुर्ख, मुलायम, गदबदी बीरबहूटियाँ । धरती पर चलती–फिरती खून की प्यारी–प्यारी बूँदें । उनके बस्ते उनकी पीठ पर लदे होते थे, कंधों पर टंगे होते थे । वे एक दूसरे एक दूसरे के बहुत नज़दीक रहकर, बल्कि कहना चाहिए बिलकुल सटकर बीटबहूटियाँ खोजते थे । उन्हें देखने केलिए वे बारिश की गंध भरी भूरी ज़मीन पर बैठ जाया करते थे ।
> " बेला, देखो इस बीरबहूटी का रंग तुम्हारे रिबन के जैसा लाल है ।" साहिल ने कहा । " तुमने कुछ सुना बेला "
> " हाँ, सुना । पहली घंटी लग गई है ।" " लेकिन मुझे पैन में स्याही भरवानी है, दुकान से ।"

1. बच्चे कब और कहाँ बीटबहूटियाँ खोजते थे ? 1

2. कहानी के प्रस्तुत अंश के आधार पर **पटकथा** का एक दृश्य तैयार करें । 4

अथवा

प्रस्तुत अंश के आधार पर **बेला की** उस दिन की **डायरी** तैयार करें ।

(ख) सूचना : ' आई एम कलाम के बहाने ' फिल्मी लेख का यह अंश पढ़ें और प्रश्न 1 से 2 तक के उत्तर लिखें ।

> एक दिन रणविजय को उसके स्कूल में भाषण देने केलिए कहा जाता है । रणविजय परेशान है क्योंकि उसकी हिंदी इतनी अच्छी नहीं । कलाम यह जानता है झट एक अच्छा –सा भाषण लिख अपने दोस्त रणविजय को दे देता है । रणविजय प्रथम पुरस्कार पाता है ।

1. स्कूल में भाषण देने केलिए कहने पर रणविजय परेशान क्यों हो जाता है ? 1

(क) उसकी आवाज़ फटी है । (ख) उसकी हिंदी अच्छी नहीं है ।

(ग) उसको मंच का डर है । (घ) उसके पास विषय नहीं है ।

2. प्रस्तुत प्रसंग पर रणविजय और कलाम के बीच हुए **वार्तालाप** लिखें । 4

अथवा

स्कूल में भाषण प्रतियोगिता चलाई गई। उसमें भाग लेते हुए कुँवर रणविजय को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ । इसके आधार पर **रपट** लिखें ।

भाग – 2 किन्हीं एक सूचना के प्रश्नों के उत्तर लिखें ।

(क) सूचना : ‘ टूटा पहिया ’ कविता की पंक्तियाँ पढें और प्रश्न 3 से 5 तक के उत्तर लिखें ।

अपने पक्ष को असत्य जानते हुए भी
बडे–बडे महारथी
अकेली निहत्थी आवाज़ को
अपने ब्रह्मास्त्रों से कुचल देना चाहें
तब मैं
रथ का टूटा हुआ पहिया
उसके हाथ में
ब्रह्मास्त्रों से लोहा ले सकता हूँ !
मैं रथ का टूटा हुआ पहिया हूँ
लेकिन मुझे फेंको मत !

3. ‘ अपने पक्ष को असत्य जानते हुए भी ’– यहाँ किसके बारे में कहा गया है ? 1

(क) श्री कृण के बारे में (ख) अभिमन्यु के बारे में
(ग) पांडव पक्ष के महारथियों के बारे में (घ) कौरव पक्ष के महारथियों के बारे में

4. ब्रह्मास्त्रों से लोहा लेने में किसने अभिमन्यु की मदद की ? 1

(क) महारथी (ख) रथ (ग) टूटा पहिया (घ) चक्रव्यूह

5. कवि ने टूटा पहिए को मत फेंकने को क्यों कहा गया है ? 2

(ख) सूचना : ‘ सबसे बडा शो मैन ’ जीवनी का यह अंश पढें और प्रश्न 3 से 5 तक के उत्तर लिखें ।

गाते–गाते अचानक माँ की आवाज़ फटकर फुसफुसाहट में तब्दील हो गई । लोगों को लगा कि माइक में कुछ खराबी आ गई है, पर फुसफुसाहट ज़ारी थी । लोग चिल्लाने लगे । कहीं से कुछ लोग म्याऊं–म्याऊं की आवाज़ निकालने लगे । इस अभद्र शोर ने माँ को स्टेज से हटने को मज़बूर कर दिया । चार्ली को वह अकसर अपने साथ थिएटर ले जाती थी । उस दिन भी परदे के पीछे खडा वह आवाज़ के तमाशे को देख रहा था । माँ और मैनेजर में बहस होते देख वह वहाँ गया । मैनेजर ने चार्ली को माँ के कुछ दोस्तों के सामने अभिनय करते देखा था और वह उसे स्टेज पर भेजने की ज़िद करने लगा । माँ डर गई । पाँच साल का बच्चा इस उग्र भीड को झेल पाएगा !

3. लोग क्यों चिल्लाने लगे ? 1

4. मैनेजर चार्ली को स्टेज पर भेजने के लिए क्यों ज़िद करने लगा ? 1

(क) चार्ली मैनेजर का प्यारा था । (ख) चार्ली की माँ अभिनेत्री थी ।
(ग) मैनेजर ने चार्ली का अभिनय देखा था । (घ) चार्ली मैनेजर का पडोसी था ।

5. **कोष्ठक के उचित शब्द सही स्थान पर रखकर पिरामिड की पूर्ति करें ।** 2

- चार्ली को अपने साथ ले जाती थी । (अकसर, थिएटर)
- चार्ली को माँ अपने साथ ले जाती थी ।
- ------------------------।
- ------------------------।

SREEJITH R, KOVOOR VARKALA, SCRT45 ph 9567224545

भाग – 3 किन्हीं एक सूचना के प्रश्नों के उत्तर लिखें ।

(क) सूचना : ' अकाल और उसके बाद ' कविता की पंक्तियाँ पढें और प्रश्न 6 से 8 तक के उत्तर लिखें ।

दाने आए घर के अंदर कई दिनों के बाद
धुआँ उठा आँगन से ऊपर कई दिनों के बाद
चमक उठीं घर भर की आँखें कई दिनों के बाद
कौए ने खुजलाईं पाँखें कई दिनों के बाद।

6. **' आँखें चमक उठीं '**- का तात्पर्य है – ? 1

(क) घर के सभी बीमार हो गए। (ख) घर के सभी बेसहारे हो गए।
(ग) घर के सभी दुखी हो गए। (घ) घर के सभी संतुष्ट हो गए।

7. कौआ अपनी पाँखें खुजलाने का कारण क्या होगा ? 1

8. कविता में **अकाल के बाद का चित्रण** किस प्रकार किया है ? **टिप्पणी** लिखें । 4

* घर के अंदर दाने का आना
* आँगन के ऊपर धुआँ का उठना
* घर भर की आँखों का चमक उठना
* कौए के पाँखों का खुजलाना

(ख) सूचना : ' हताशा से एक व्यक्ति बैठ गया था ' कविता की पंक्तियाँ पढें और प्रश्न 6 से 8 तक के उत्तर लिखें ।

हताशा से एक व्यक्ति बैठ गया था
व्यक्ति को मैं नहीं जानता था
हताशा को जानता था
इसलिए मैं उस व्यक्ति के पास गया
मैं ने हाथ बढाया
मेरा हाथ पकडकर वह खडा हुआ
मुझे वह नहीं जानता था
मेरे हाथ बढाने को जानता था
हम दोनों साथ चले
दोनों एक दूसरे को नहीं जानते थे
साथ चलने को जानते थे ।

6. कवि के अनुसार हताश व्यक्ति अपनेलिए क्यों अपरिचित नहीं है ? 1

(क) व्यक्ति की मानसिक स्थिति को वे समझ सकते थे । (ख) वह आदमी उनके शहर में रहनेवाला है ।
(ग) कवि व्यक्तिगत रूप से उसे जानते हैं । (घ) वह कवि का पुराना दोस्त था ।

7. **' व्यक्ति को न जानना '** और **' हताशा को जानना '** का अर्थ क्या है ? 1

8. कवि और कविता का परिचय देते हुए इन पंक्तियों का **आशय** लिखें । 4

SREEJITH R, KOVOOR VARKALA, SCRIUS ph 9567224545

भाग – 4	किन्हीं एक सूचना के प्रश्नों के उत्तर लिखें ।

(क) सूचना : ' हताशा से एक व्यक्ति बैठ गया था ' टिप्पणी का यह अंश पढ़ें और प्रश्न 9 से 10 तक के उत्तर लिखें ।

" व्यक्ति को नहीं नहीं जानते था, हताशा को जानता था " कहते ही वे " जानने " की हमारी उस जानी–पहचानी रूढी को तोड देते हैं जो व्यक्ति के नाम, पते, उम्र, ओहदे या जाति से जानने को जोडती है । यदि हम किसी व्यक्ति को उसकी हताशा, निराशा, असहायता या उसके संकट से नहीं जानते तो हम कुछ नहीं जानते । यदि हम किसी व्यक्ति को उसकी हताशा, निराशा, असहायता या उसके संकट से नहीं जानते तो हम कुछ नहीं जानते । सडक पर घायल पडे अपरिचित व्यक्ति को देखकर क्या हम कह सकते हैं कि उसे हम नहीं जानते ? वास्तव में हम जानते हैं कि यह व्यक्ति मुसीबत में है और इसे हमारी मदद की ज़रूरत है । यह कविता मनुष्य को मनुष्य की तरह " जानने " की याद दिलाती है ।

9. ' मनुष्य को मनुष्य की तरह जानना '– इस प्रयोग से क्या तात्पर्य है ? 1

(क) स्वार्थता का भाव अपनाना । (ख) सहानुभूति का भाव अपनाना ।
(ग) दूसरों की भावनाओं की उपेक्षा करना । (घ) इंसानियत के भाव को छोडना ।

10. **संबंध पहचानें, सही मिलान करें ।** 4

सडक पर घायल पडे व्यक्ति को	उसके नाम, पते, उम्र, ओहदे या जाति से जानना है ।
मनुष्यता का अहसास होना ज़रूरी है	हमारी मदद की ज़रूरत है ।
किसी व्यक्ति को जानने का मतलब	उसकी हताशा, निराशा, असहायता और संकट से जानना है ।
जानने की हमारी परिचित रूढि	जानकारियाँ ज़रूरी नहीं हैं ।

(ख) सूचना : ' टूटा पहिया ' कविता की पंक्तियाँ पढें और प्रश्न 9 से 10 तक के उत्तर लिखें ।

मैं रथ का टूटा हुआ पहिया हूँ
लेकिन मुझे फेंको मत !
क्या जाने; कब
इस दुरूह चक्रव्यूह में
अक्षौहिणी सेनाओं को चुनौती देता हुआ
कोई दुस्साहसी अभिमन्यु आकर घिर जाए !

9. **' दुस्साहसी अभिमन्यु '**- में विशेषण शब्द कौन–सा है ? 1

10. कवि और कविता का परिचय देते हुए इन पंक्तियों का **आशय** लिखें । 4

SREEJITH P. KOVOOR VAKAYAR SCRIBS Ph 9562121545

भाग – 5 किन्हीं एक सूचना के प्रश्नों के उत्तर लिखें ।

(ख) सूचना : ' बीरबहूटी ' कहानी का यह अंश पढें और प्रश्न 11 से 13 तक के उत्तर लिखें ।

रविवार का दिन था । साहिल अपने घर में नीम के पेड की डाली पकडकर झूम रहा था । वह एक स्टूल पर चढकर झूलता था । अचानक टूटे स्टूल की एक कील साहिल की पिंडली में लग गई । एक इंच गहरा गड्ढा हो गया था । उसे सरकारी अस्पताल में पट्टी बँधवाने केलिए ले जाया गया । उसने देखा कि दो लोगों को छोडकर आगे बेला खडी है । सिर पर पट्टी बंधवाने आई है ।

11. साहिल की पिंडली में चोट कैसे लगी ? 1

(क) टूटे स्टूल की कील लगने से । (ख) खेत से बीरबहूटियाँ ढूँढने पर ।
(ग) छत से गिर जाने से । (घ) लंगडी टाँग खेलते समय ।

12. **सही क्रिया रूप चुनकर वाक्य की पूर्ति करें ।** 1

बेला अस्पताल से पट्टी -------------------।

(क) बाँधा करता था । (ख) बाँधी करती थी । (ग) बाँधा करती थी । (घ) बाँधी करता था ।

13. **वार्तालाप को आगे बढाएँ ।** 4

साहिल - हाय बेला, यहाँ क्यों आई हो ?
बेला - हाय साहिल, मैं तो सिर पर पट्टी बँधवाने आई है । क्या हुआ तुमको ?
------- - --------------------------------

(ख) सूचना : ' सबसे बडा शो मैन ' जीवनी का यह अंश पढें और प्रश्न 11 से 13 तक के उत्तर लिखें ।

गाना अभी आधा ही हुआ था कि स्टेज पर पैसों की बौछार शुरू हो गई । चार्ली ने गाना रोक दिया और घोषणा की कि पहले मैं ये पैसे बटोरूँगा और उसके बाद ही गाऊँगा । इस बात ने हॉल को हँसीघर में तब्दील कर दिया । तब तक मैनेजर एक रूमाल लेकर आया और पैसे बटोरने लगा । तब तक मैनेजर एक रूमाल लेकर आया और पैसे बटोरने लगा । चार्ली को लगा कि मैनेजर खुद पैसे रख लेना चाहता है । उसने दर्शकों से कह दी – हँसी तब और बढ गई जब रूमाल की पोटली में पैसे बांध बैकस्टेज की ओर जाते मैनेजर के पीछे चार्ली व्याकुलता से लग गया । जब तक मैनेजर वह पोटली माँ के हवाले नहीं की, वह नहीं लौटा ।

11. चार्ली क्यों मैनेजर के पीछे व्याकुलता से लग गया ? 1

12. मैं ये पैसे बटोरूँगा ।

(**मैं** के बदले **तुम** शब्द का प्रयोग करके वाक्य का पुनर्लेखन करें ।) 1

13. **सही मिलान करके लिखें ।** 4

धुएँ उडते हुए छल्लों के बीच	पैसा बटोरने की घोषणा की ।
चार्ली ने बीच में गाना रोक दिया	स्टेज पर पैसों की बौछार शुरू हो गई ।
गाना आधा ही हुआ था	पैसे बटोरने लगे ।
मैनेजर एक रूमाल लेकर आया	चार्ली ने मशहूर गीत जैक जोन्स गाना शुरू किया ।

SREENITH R, KOVOOR VARKALA, SCRT45 pk 9567224545

भाग – 6 किन्हीं एक सूचना के प्रश्नों के उत्तर लिखें ।

(क) सूचना : ' ठाकुर का कुआँ ' कहानी का यह अंश पढें और प्रश्न 14 से 16 तक के उत्तर लिखें ।

गंगी प्रतिदिन शाम पानी भर लिय़ा करती थी । कुआँ दूर था, बार –बार जाना मुश्किल था । कल वह पानी लाई, तो उसमें बू बिलकुल न थी, आज पानी में बदबू कैसी ! लोटा नाक से लगाया, तो सचमुच बदबू थी । ज़रूर कोई जानवर कुएँ में गिरकर मर गया होगा, मगर दूसरा पानी आवे कहाँ से ?

14. **नमूने के अनुसार लिखें ।** 1

जोखू पानी भर लेता है । जोखू पानी भर लिया करता है ।

गंगी पानी भर लेती है । गंगी पानी भर ---------------- ।

15. " क्या एक लोटा पानी भरने न देंगे ?"- गंगी के इस कथन पर अपना विचार लिखें । 2

16. कहानी के प्रस्तुत अंश के आधार पर **पटकथा** का एक दृश्य तैयार करें । 4

अथवा

सामाजिक असमानता बडी समस्या है । समाज के सभी को समान अवसर का अधिकार है - इसपर **लेख** लिखें ।

* खाना मिलने का अधिकार
* घर मिलने का अधिकार
* पानी मिलने का अधिकार
* कपडा मिलने का अधिकार

(ख) सूचना : ' आई एम कलाम के बहाने ' फिल्मी लेख का यह अंश पढें और प्रश्न 14 से 16 तक के उत्तर लिखें ।

मोरपाल मेरे खाने के डिब्बे में राजमा देखते ही बाँछें खिल जाती थीं । हमारा सौदा था खेल घंटी में खाने की अदला –बदली का । यानी मेरे टिफिन के राजमा –चावल उसके और उसके घर से आया बडा –सा छाछ का डिब्बा मेरा । उसे पता था कि छाछ मेरी कमज़ोरी है । मोरपाल ने मेरे टिफिन बॉक्स में रखे राजमा को खाने से पहले कभी राजमा देखा भी नहीं था।

14. **नमूने के अनुसार लिखें ।** 1

लडके अदला बदली करते हैं । लडके अदला बदली करने लगे ।

लडकियाँ अदला बदली करती हैं । लडकियाँ अदला बदली ---------

15. मोरपाल के लिए खास चीज़ थी राजमा । क्यों ? 2

16. मोरपाल ने मित्र के खाने के डिब्बे से राजमा खाया । इसके बारे में **मोरपाल** की **डायरी** कल्पना करके लिखें । 4

अथवा

गरीबी देश की एक विकट समस्या है । इसका संदेश देते हुए एक **पोस्टर** तैयार करें ।

SREEJITH R, KOVOOR VARKALA, SORUS ph 9567224545

भाग – 7 किन्हीं एक सूचना के प्रश्नों के उत्तर लिखें ।

(क) सूचना : ' बीरबहूटी ' कहानी का यह अंश पढें और प्रश्न 17 से 19 तक के उत्तर लिखें ।

पाँचवीं कक्षा का रिज़ल्ट आ गया । दोनों छठी में आ गए । यह स्कूल पाँचवीं तक ही था । " साहिल अब तुम कहाँ पढोगे ?" बेला ने पूछा । " और तुम कहाँ पढोगी बेला ?" साहिल ने पूछा । " मेरे पापा कह रहे थे कि तुझे राजकीय कन्या पाठशाला में पढाएँगे और तुम ? " " मुझे अगले साल अजमेर भेज देंगे । वहाँ एक हॉस्टल है, घर से दूर वहाँ अकेला रहूँगा ।"

17. **सही वाक्य चुनकर लिखें ।** 1

(क) बेला के आँखों से आँसू आ जाते हैं । (ख) बेला की आँखों से आँसू आ जाते हैं ।
(ग) बेला के आँखों से आँसू आ जाती हैं । (घ) बेला की आँखों से आँसू आ जाती हैं ।

18. साहिल और बेला को दूसरे स्कूल क्यों जाना पडा ? 2

19. फुलेरा गाँव में उच्च शिक्षा के लिए सुविधाएँ नहीं हैं । इस विषय के आधार पर **समाचार** तैयार करें । 4

अथवा

मान लें, साहिल अजमेर से बेला के नाम पत्र लिखता है । **साहिल का** वह **पत्र** तैयार करें ।

(ख) सूचना : ' बसंत मेरे गाँव का 'लेख का यह अंश पढें और प्रश्न 17 से 19 तक के उत्तर लिखें ।

सुबह पौ फटते ही बच्चों की टोलियाँ गाँव भर में घूमती हैं । पिछली शाम चुने गए फूल घरों की देहरियों पर सजाए जाते हैं । जिनके घरों में फूल सजाए जाते हैं वे बच्चों को चावल, गुड, दाल आदि देते हैं । दक्षिणा में मिली यह सामग्री पूरे इक्कीस दिन तक इकट्ठा की जाती है। फूलदेई की विदाई के साथ बसंत का यह उत्सव समाप्त हो जाता है।

17. **सही वाक्य चुनकर लिखें ।** 1

(क) बच्चियाँ फूल चुनने लगा। (ख) बच्चियाँ फूल चुनने लगे।
(ग) बच्चियाँ फूल चुनने लगी। (घ) बच्चियाँ फूल चुनने लगीं।

18. **कोष्ठक के उचित शब्द सही स्थान पर रखकर पिरामिड की पूर्ति करें ।** 2

- फूल खिलते हैं। (पीले, पहाडों पर)
- खूबसूरत फूल खिलते हैं।
- ----------------।
- ----------------।

19. फूलदेई त्योहार का विवरण करते हुए उसमें भाग लेनेवाला एक लडका अपने मित्र को एक पत्र लिखता है । **लडके का** वह **पत्र** कल्पना करके चैयार करें । 4

अथवा

उत्तराखंड कला समिति के नेतृत्व में दहरादून में फूलदेई का त्यौहार मनाया जाता है। इसके प्रचार के लिए एक **पोस्टर** लिखें।

SREEJITH R, KOVOOR VARKALA, SCRT45 ph 9567224545

उत्तर सूचिका– CODE C

भाग – 1

(क) 1. बारिश के मौसम में सुबह स्कूल जाते समय, कस्बे से सटे खेतों में

2. **पटकथा (बीरबहूटियों को खोजना)**

स्थान – कस्बे से सटा खेत ।

समय – सुबह 9 बजे ।

पात्र - 1. बेला, करीब 11 साल की लडकी, स्कूल यूनीफॉर्म पहनी है, पीठ पर बस्ता है । चेहरे पर खुशी है ।
2. साहिल, करीब 11 साल का लडका, स्कूल यूनीफॉर्म पहना है, पीठ पर बस्ता है । चेहरे पर खुशी है ।

दृश्य का विवरण – दोनों बच्चे, स्कूल में जाते समय कस्बे से सटे खेतों में बीरबहूटियों को खोजने आए हैं ।

संवाद -

बेला – देखो साहिल, यहाँ कितनी बीरबहूटियाँ हैं !

साहिल – हाँ, मैंने देखा । इसका रंग तुम्हारे रिबन के जैसा लाल है ।

बेला - ठीक है । ये कितने सुर्ख, मुलायम और गदबदी हैं ! धरती पर चलती फिरती खून की बूँदें जैसी … ।

साहिल – तुमने कुछ सुना बेला ?

बेला - हाँ सुना, स्कूल में पहली घंटी लग गई है । तो हम जाएँ, बहुत देर लगी है ।

साहिल – लेकिन मुझे दुकान से पैन में स्याही भी भरवानी है ।

बेला - तू क्या बोलता है यार ? देर होकर कहीं माटसाब के आगे हो जाए तो ?

साहिल – नहीं बेला, स्कूल के नज़दीक के दूकान से ही भरवानी है ।

बेला - ठीक है साहिल । तो जल्दी चलें ।

(खेत की ज़मीन से उठकर दोनों बस्ते और वर्दी ठीक करके दुकान की ओर जाने लगते हैं ।)

अथवा

बेला की डायरी (बीरबहूटी की खोज)

तारीख : ……………….

स्कूल केलिए निकली । साहिल के साथ । खेत गई । बस्ते पीठ पर लदे थे । ज़मीन पर बैठ गए । खेत में बीरबहूटियों को खोजने लगे । कुछ दिखाई भी दिए । सुर्ख, मुलायम, गदबदी बीरबहूटियाँ । धरती पर चलती – फिरती खून की प्यारी – प्यारी बूँदें । स्कूल की पहली घंटी लग गई । साहिल को पैन में स्याही भरवानी थी । दुकान की ओर चले ।

(ख) 1. उसकी हिंदी अच्छी नहीं है ।

2. **वार्तालाप – छोटू और रणविजय के बीच (स्कूल के भाषण प्रतियोगिता)**

कलाम - अरे कुँवर, तुझे चोट कैसे लगी ?

रणविजय - घबराइए मत, खेल-कूद में चोट तो लग जाती है । ऊपर आइए ।

कलाम - हड्डी भी टूट गयी ?

रणविजय - हड्डी नहीं, ट्रॉफी जीतने का सपना टूट गया ।

कलाम - समझा नहीं । लगता है तुमको कोई परेशानी है ।

रणविजय - हाँ यार । कल स्कूल में एक भाषण देना है ।

कलाम - उसमें परेशानी की बात है ?

रणविजय - भाषण हिंदी में है ।

कलाम - तो क्या ?

रणविजय - मेरी हिंदी इतनी अच्छी नहीं, लिखूँगा कैसे ?

कलाम - फिकर मत करो । मेरी हिंदी तुमसे बढकर अच्छी है न ? मैं लिख दूँगा, तुम प्रस्तुत करो ।

रणविजय - तो मैं उसे अच्छी तरह प्रस्तुत करूगा ।

कलाम - आज ही लिख दूँगा । तुम ज़रूर ट्रॉफी जीतोगे ।

रणविजय - ठीक है यार । जल्दी आओ ।

अथवा

SREEJITH R, KOVOOR VARKALA, SCR145 ph 9567224545

रपट (स्कूल के भाषण प्रतियोगिता में रणविजय को प्रथम स्थान मिला)

भाषण प्रतियोगिता ; रणविजय को प्रथम स्थान

स्थान : -------- कल जैसलमेर के सरकारी हाईस्कूल में भाषण प्रतियोगिता चलाई गई। इसमें ढाणा के राणा का बेटा कुँवर रणविजय को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ। पुरस्कार प्राप्ति के बाद उसने कहा कि अपने दोस्त कलाम ने यह भाषण तैयार किया था। इसलिए पुरस्कार उसकेलिए है। कुँवर की हिन्दी अच्छी न होने से कलाम उसकी मदद की थी। यह पुरस्कार प्राप्ति रणविजय और कलाम के बीच की दोस्ती की अनूठी निशानी भी है। पुरस्कार वितरण स्कूल के प्रधानाध्यापिका ने किया। ढाणी में कुँवर के विजय पर खुशी मनाई गई।

भाग – 2

(क) 3. कौरव पक्ष के महारथियों के बारे में

4. टूटा पहिया

5. कवि के अनुसार जिस चीज़ को हम फालतू समझकर फेंक देते हैं,उसका कभी उपयोग करने का मौका आ सकता है। महाभारत युद्ध में महारथियों का मुकाबला करने में रथ के टूटे हुए पहिए का सहारा लिया था। उसी प्रकार शोषण से पीडित आम जनता केलिए शासक वर्ग के अधर्म और अत्याचार के खिलाफ मानवीय मूल्य रूपी यह टूटा पहिया काम आएगा।

(ख) 3. गाते समय चार्ली की माँ की आवाज़ फटकर फुसफुसाहट में बदल जाने से।

4. मैनेजर ने चार्ली का अभिनय देखा था।

5. चार्ली को माँ अपने साथ **थिएटर** ले जाती थी।
चार्ली को माँ **अकसर** अपने साथ थिएटर ले जाती थी।

भाग – 3

(क) 6. घर के सभी संतुष्ट हो गए।

7. अकाल के बाद घर में खाना पकाया गया। इसलिए घर से खाने की बाकी चीज़ें बाहर फेंकने पर उसे चुगकर तेज़ी से उड जाने की तैयारी में कौआ अपनी पाँखें खुजलाया होगा।

8. **टिप्पणी – अकाल के बाद का चित्रण**

हिंदी के मशहूर कवि नागार्जुन ने आकाल और उसकेबाद कविता में अकाल से ग्रस्त एक घर के अकाल के बाद की हालत का बारीक चित्रण किया है। अकाल के समय में जो दयनीय अवस्था थी, अकाल के बाद वह बदल गई। अकाल के बाद घर के भीतर दाना आने पर मनुष्य ही नहीं, सभी जीव-जंतुओं और निर्जीव वस्तुओं में खुशी का अनुभव होने लगा। दाना मिलने पर खाना पकाने केलिए चूल्हा जलाया गया। उस समय बहुत दिनों के बाद घर के आँगन से ऊँपर धुआँ उठता हुआ दिखाई देता है। घर के अंदर के चूल्हा, चक्की जैसे निर्जीव वस्तुओं और सभी जीव-जंतुओं की आँखें नए जीवन आने की खुशी में चमक उठीं। घर से खाने की बाकी चीज़ें बाहर फेंकने पर उसे चुगकर तेज़ी से उड जाने की तैयारी में कौए ने अपनी पाँखें खुजलाईं। अकाल के दिन खतम होने पर घर के अंदर दाना आने से मनुष्यों के साथ-साथ सभी जीव-जंतु भी संतुष्ट हो जाते हैं। अकाल के समय धीरे-धीरे बदलने पर मनुष्य के जीवन में सुख भरे दिन वापस आते हैं और पुन : अपनी संप्पन्नता को प्राप्त कर लेती है। प्रकृति भी पुन: अपने स्वरूप को प्राप्त करती है और समस्त प्राणी चैन की साँस लेते हैं। यहाँ प्रकृति की बदली हालत यानी अकाल के बाद की खुशहाली का चित्रण कवि ने आकर्षक ढंग से प्रस्तुत किया है।

(ख) 6. व्यक्ति की मानसिक स्थिति को वे समझ सकते थे।

7. व्यक्ति को न जानना - हमें किसीको व्यक्तिगत रूप से यानी उसके नाम, पता, उम्र, ओहदा, जाति आदि से जानना नहीं चाहिए।
हताशा को जानना - हमें किसीको उसकी हताशा, दुख-दर्द, विवशता, समस्या, आवश्यकता आदि से जानना चाहिए।

8. **कवितांश का आशय**

प्रस्तुत पंक्तियाँ समकालीन हिंदी साहित्य के विख्यात कवि श्री. विनोद कुमार शुक्ल की सुंदर कविता हताशा से एक व्यक्ति बैठ गया था से ली गई हैं। इस कविता में कवि जानना शब्द की हमारी जानी पहचानी रूढी को तोड देते हैं।

कवि कहते हैं कि सडक पर हताशा से बैठे एक अपरिचित व्यक्ति को देखते ही कवि उसकी समस्या को जल्दी पहचान लेते हैं। इसलिए उसकी सहायता करने केलिए उसकी ओर हाथ बढाते हैं। कवि के हाथ पकडकर वह खडा हुआ। कवि को वह नहीं जानता था, पर कवि के हाथ बढाने को जानता था। दोनों साथ-साथ चले। यानी कवि व्यक्ति को जानने के बदले उसकी समस्या को पहचाने। कवि का कहना है कि अकसर हम दूसरों को उनके नाम, पते, उम्र, ओहदे, जाति आदि के द्वारा जानते हैं। लेकिन असल में किसीको जानना है तो उसकी हताशा,निराशा, असहायता या संकट को जानना ही काफी होगा। किसीको व्यक्तिगत रूप से जानना और उसकी हताशा, दुख-दर्द, विवशता, समस्या, आवश्यकता आदि से जानना दोनों अलग है। मनुष्य की समस्या को पहचानने केलिए उसको वैयक्तिगत (व्यक्तिगत) रूप से जानने की ज़रूरत नहीं है। सडक पर घायल पडे व्यक्ति को देखना पडे तो हमें समझना चाहिए कि वह व्यक्ति मुसीबत में है और उसे हमारी मदद की आवश्यकता है। यहाँ कवि मनुष्य को मनुष्य की तरह जानने की याद दिलाती है। कविता का संदेश है कि मनुष्यों के बीच मानवीय संवेदना का होना अनिवार्य है, जानकारियाँ नहीं।

जानना शब्द को एक विशेष अर्थ प्रस्तुत करनेवाली इस कविता की प्रासंगिकता सार्वकालिक है। कविता में सरल भाषा का प्रयोग किया है। गद्य में लिखी हुई इस कविता में गीतात्मकता का बोध खूब मिलता है। यह कविता कोई लोकगीत जैसा श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर देती है। जानता था और नहीं जानता था का प्रयोग अधिक आकर्षक बना है।

भाग – 4

(क) 9. सहानुभूति का भाव अपनाना।

10. **संबंध पहचानें, सही मिलान करें ।**

सडक पर घायल पडे व्यक्ति को	हमारी मदद की ज़रूरत है ।
मनुष्यता का अहसास होना ज़रूरी है	जानकारियाँ ज़रूरी नहीं हैं ।
किसी व्यक्ति को जानने का मतलब	उसकी हताशा, निराशा, असहायता और संकट से जानना है ।
जानने की हमारी परिचित रूढि	उसके नाम, पते, उम्र, ओहदे या जाति से जानना है ।

(ख) 9. दुस्साहसी

10. **कवितांश का आशय**

प्रस्तुत पंक्तियाँ आधुनिक हिंदी के मशहूर कवि **' श्री . धर्मवीर भारती '** की कविता संग्रह **' सात गीत वर्ष '** से चुनी गई ' टूटा पहिया ' कविता से ली गई हैं । महाभारत युद्ध के प्रसंग को आधार बनाकर लिखी गई इस प्रतीकात्मक कविता में कवि ने वर्तमान सामाजिक स्थिति पर प्रकाश डाला है । इसमें कवि हमें यह संदेश देना चाहते हैं कि इस संसार में प्रत्येक वस्तु का अपना मूल्य है, किसी भी वस्तु को तुच्छ समझकर उपेक्षा न करना चाहिए ।

कवि रथ का टूटा हुआ पहिया बताने के जैसे कहते हैं कि मैं भले ही रथ का टूटा हुआ पहिया हूँ, किंतु मुझे अनुपयोगी मानकर मत फेंको । क्योंकि कौरवों से रचित दुरूह चक्रव्यूह में अक्षौहिणी सेनाओं को चुनौती देता हुआ दुस्साहस के साथ अभिमन्यु आकर घिर जाएगा । यानी जीवन की समस्याएँ रूपी चक्रव्यूह में शोषण की अक्षौहिणी सेनाओं को चुनौती देता हुआ कोई शोषित मनुष्य अभिमन्यु के समान आ जाए तो टूटा पहिया, टूटे मानवीय मूल्य ही उसका सहारा बन जाएगा । यहाँ टूटा पहिया मानवीय मूल्यों का,चक्रव्यूह जीवन की समस्याओं का और अभिमन्यु शोषण से पीडित आम जनता का प्रतीक है ।

मानवीय मूल्यों की शक्ति व्यक्त करनेवाली यह कविता हर तरह से बिलकुल प्रासंगिक तथा अच्छी है । कवि ने कविता में सरल भाषा का प्रयोग किया है, जिससे उन्हें अपने उद्देश्य कथन में पूर्ण रूप से सफलता मिली है ।

भाग – 5

(क) 11. टूटे स्टूल की कील लगने से ।

12. बाँधा करती थी ।

13. **वार्तालाप को आगे बढाएँ ।**

साहिल - हाय बेला, यहाँ क्यों आई हो ?

बेला - हाय साहिल, मैं तो सिर पर पट्टी बँधवाने आई है । क्या हुआ तुमको ?

साहिल – मेरी पिंडली में चोट लग गई है ।

बेला - कैसे ?

साहिल – स्टूल पर चढकर नीम की डाली पकडकर झूलते वक्त स्टूल टूटने से एक कील मेरी पिंडली में लग गई ।

बेला - डॉक्टर ने क्या कहा ?

साहिल – उन्होंने कहा घबराने की कोई बात नहीं । कुछ दिनों के बाद पट्टी खोलेंगे ।

बेला - दर्द ज़्यादा है क्या ?

साहिल – अब दर्द कुछ कम हुआ है ।

बेला - अच्छा मैं जाती हूँ, नर्स बुला रही है । बाई ।

साहिल – ठीक है बेला, बाई ।

(ख) 11. क्योंकि उसे लगा कि मैनेजर सारे पैसे खुद लेना चाहता है ।

12. तुम ये पैसे बटोरोगे ।

13. **सही मिलान करके लिखें ।**

धुएँ उडते हुए छल्लों के बीच	चार्ली ने मशहूर गीत जैक जोन्स गाना शुरू किया ।
चार्ली ने बीच में गाना रोक दिया	पैसा बटोरने की घोषणा की ।
गाना आधा ही हुआ था	स्टेज पर पैसों की बौछार शुरू हो गई ।
मैनेजर एक रूमाल लेकर आया	पैसे बटोरने लगे ।

भाग – 6

(क) 14. लिया करती है ।

15. अछूत होने के कारण गंगी को कुएँ से साफ पानी भरने का भी हक नहीं है । सभी अधिकार समाज में उच्च माननेवालों के पास है । गंगी को समझ में नहीं आती कि लोग कैसे श्रेष्ठ बनते हैं । यहाँ समाज की असमानता के विरुद्ध गंगी का आक्रोश ही प्रकट होता है ।

16. **पटकथा (शुरुआत भाग)**

स्थान – एक झोंपडी का भीतरी भाग।

समय – दोपहर के दो बजे ।

पात्र – गंगी और जोखू । (गंगी 40 औरत, धोती और चोली पहनी है । जोखू 50 का आदमी, धोती और बनियन पहना है ।)

दृश्य का विवरण – प्यास से परेशान होकर जोखू कमरे की पलंग पर बैठा है । उसको गंगी पीने केलिए लोटे में पानी देती है ।

SREEJITH R, KOVOOR VARKALA, SCRI45 pk ISOTALS

संवाद –

जोखू – बहुत प्यास लग रही है । थोडा पानी लाओ ।
गंगी – अभी लाती हूँ ।
जोखू – यह कैसा पानी है ? तू यह पानी कहाँ से लायी ?
गंगी – गाँव के कुएँ से । कल ही लायी हूँ । क्या हुआ ?
जोखू – मारे प्यास के पिया नहीं जाता । गला सूखा जा रहा है और तू सडा पानी पिलाए देती है !
गंगी – (लोटा नाक से लगाते हुए) हाँ बदबू है । मगर कैसे ? कल लाते समय बदबू नहीं थी । कोई जानवर कुएँ में गिरकर मरा होगा ।
जोखू – प्यास सह नहीं पाता । ला, थोडा पानी, नाक बंद करके पी लूँ ।
गंगी – मैं नहीं दूँगी, खराब पानी से आपकी बीमारी बढ जाएगी । मैं कहीं से दूसरा पानी लाकर देती हूँ । आप लेट जाइए ।
जोखू – दूसरा पानी ! कहाँ से लाएगी ?
गंगी – ठाकुर और साहू के दो कुएँ तो हैं, क्या एक लोटा पानी न भरने न देंगे ?
जोखू – हाथ–पाँव तुडवा आएगी । बैठ चुपके से ।
गंगी – आप चिंता मत कीजिए । मुझे पता है क्या करना है ।
जोखू – ठीक है । तुम्हारी मर्ज़ी । जल्दी वापस आना ।

(मन में साहस भरकर गंगी रस्सी और घडा लेकर ठाकुर के कुएँ की ओर निकल जाती है ।)

अथवा

टिप्पणी – समाज में सभी लोगों को समान अवसर का अधिकार है

हमारे देश में अनेक लोग रहते हैं । उनके रंग, रूप, वेश, भाषा आदि भिन्न हैं । कुछ लोग अमीर हैं तो कुछ लोग गरीब हैं । लेकिन इनके बीच सामाजिक असमानता हम देखते हैं । यह आज की एक बडी समस्या है । अन्न, वस्त्र, घर आदि मानव की आवश्यकताएँ हैं । लेकिन समाज के कुछ लोग इनसे वंचित हैं । हमारे संविधान के अनुसार हर एक नागरिक को खाना मिलने का, घर मिलने का, कपडे मिलने का और पीने के पानी मिलने का अधिकार है । फिर भी समाज के सभ्य कहे जानेवाले संपन्न वर्ग गरीब या निम्न वर्ग के लोगों को कुचल डालते हैं । इस कारण निम्न वर्ग के लोगों को पीने केलिए शुद्ध पानी भी नहीं मिलता है । यह उचित नहीं है । समाज के सभी लोगों को समान रूप से जीने का अवसर मिलना चाहिए ।

(ख) 14. करने लगीं ।

15. अपनी गरीबी के कारण घर में राजमा खरीद नहीं सकता था । इसलिए उसे राजमा देखने या खाने का अवसर नहीं मिला था ।

16. **मोरपाल की डायरी (पहली बार राजमा खाए दिवस)**

तारीख: ....

आज मेरेलिए एक विशेष दिन था । पहली बार मैंने राजमा खाया । कितना स्वादिष्ठ था। खाने केलिए बैठने पर मेरे दोस्त मिहिर के टिफिन बॉक्स में रखे राजमा देखते ही मेरी बाँछें खिल गयी थीं । उसे खाने से पहले मैंने कभी राजमा देखा भी नहीं था । राजमा जैसी चीज़ मेरेलिए तो अपूर्व ही था, पर उसकेलिए वह एक साधारण चीज़ था । मैं और उसके बीच खेल घंटी में खाने की अदला बदली करने का निश्चय किया । उसके घर से लाया राजमा-चावल मैंने खाया और मेरे घर से लाया छाछ -चावल उसने भी । जैसे मैंने राजमा खाया, वैसे उसने छाछ को भी बहुत चाव से खा लिया । ऐसा लगा कि छाछ उसकी कमज़ोरी है । आज से हर दिन मैं अपने घर से छाछ लाकर उसे दूँगा ।

अथवा

पोस्टर (संदेश) – गरीबी विषय पर

देश की उन्नति केलिए
गरीबी
दूर करनी चाहिए ।
राष्ट्र निर्माण केलिए गरीबी हटाएँ ।
गरीबी देश के सर्वनाश का कारणबनता है ।
एक-एक नागरिक का कर्तव्य है गरीबी हटाना ।
गरीबी हटाने केलिए सक्रिय भागीदारी करें ।
गृह संत्रालय, नई दिल्ली

भाग – 7

(क) 17. बेला की आँखों से आँसू आ जाते हैं ।

18. साहिल और बेला फुलेरा के जिस स्कूल में पढते हैं वह पाँचवीं तक का है । इसलिए पाँचवीं पास हुए साहिल और बेला को आगे की पढाई केलिए दूसरे स्कूल में जाना पडता है ।

19. **फुलेरा गाँव में उच्च शिक्षा केलिए सुविधाएँ नहीं है । इस विषय के आधार पर समाचार तैयार करें ।**

फुलेरा गाँव में उच्च शिक्षा की सुविधाएँ नहीं

स्थान : .... फुलेरा गाँव में उच्च शिक्षा केलिए सुविधाएँ नहीं है । यहाँ सिर्फ एक प्राईमरी स्कूल है । वहाँ पाँचवीं तक है । उच्च शिक्षा केलिए यहाँ के लोगों को दूसरे स्थानों पर जाना पडता है । यहाँ से दूसरे स्थान जाने केलिए गाडियों की सुविधाएँ भी नहीं हैं । फुलेरा के अधिक लोग किसान हैं । उनको अपने बच्चों को दूरी पर भेजने की संपत्ति भी नहीं है । यह बात शासकों को समझाई तो भी उनकी ओर से कोई कार्यवाई नहीं किया है । अब फुलेरा के लोग मुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री को निवेदन करने जा रहे हैं । लोगों का विश्वास है कि इस निवेदन से शासक लोग आवश्यक कार्यवाई लेंगे । ज़रूर यहाँ उच्च शिक्षा की आवश्यक सुविधाएँ देनी चाहिए ।

अथवा

साहिल का पत्र बेला को (नए स्कूल के बारे में)

स्थान : ……………….

तारीख : ……………….

प्रिय बेला,

तुम कैसी हो ? कुशल हो न ? मैं यहाँ ठीक हूँ । तुम्हारी कोई खबर नहीं कुछ दिनों से, मेरे नए स्कूल के बारे में बताने केलिए यह पत्र भेज रहा हूँ ।

परसों मैं इधर पहुँचा । यात्रा बहुत मुश्किल थी । गाडी में बडी भीड थी । कल यहाँ के स्कूल में मेरी भर्ती हुई । स्कूल होस्टल से आधा किलोमीटर दूर पर है । बडा स्कूल है । बडे बडे कमरे और मैदान । आँगन का बगीचा तरह तरह के फूलों से बहुत खूबसूरत है । कल सुबह स्कूल खुलेगा । होस्टल में पचास से अधिक छात्र हैं । कमरे में मेरा सहवासी है गणेश । वह आगरा से है । स्कूल जाने के लिए यहाँ से गाडी है । यहाँ की सडकें तो गाडियों से भरी हैं । कल शाम हम घूमने गए । इलाका बहुत सुंदर है । फुलेरा कितना छोटा है । यहाँ छोटी बडी दूकानें, बैंक, सिनेमाघर, मंदिर, मस्जिद सब कुछ हैं । यहाँ के लोग सदा व्यस्त हैं ।

आच्छा, वहाँ कैसे चल रहा है ? सब ठीक हैं न ? नया स्कूल कैसा है ? कल रात में भी मैंने बीरबहूटियों को खोजने का सपना देखा । वहाँ की सारी बातें विशद रूप से लिखना । अगली छुट्टी में हम मिलें । तुम्हारे माँ बाप से मेरा प्रणाम कहना । जवाब पत्र की प्रतीक्षा से,

तुम्हारा मित्र
(हस्ताक्षर)
नाम

सेवा में,
नाम
पता ।

(ख) 17. बच्चियाँ फूल चुनने लगीं ।

18. **पहाडों पर** खूबसूरत फूल खिलते हैं ।
पहाडों पर खूबसूरत **पीले** फूल खिलते हैं ।

19. **मित्र के नाम पर लडके का पत्र (फूलदेई त्यौहार का वर्णन)**

स्थान : ……………

तारीख : …………

प्रिय मित्र,

तुम कैसे हो ? कुशल हो न ? मैं यहाँ ठीक हूँ । इस साल की फूलदेई त्योहार की विशेषताएँ मैं तुमसे बाँटने यह पत्र भेज रहा हूँ ।

इस वर्ष भी फूलदेई का त्यौहार मनाया गया । हम पिछले वर्ष यह त्यौहार मनाने के उन दिनों से इस वर्ष के त्यौहार की प्रतीक्षा कर रहे थे । हम बडे उत्साह से थे । एक-एक दिन हमारी टोलियाँ फूल तोडने केलिए जाती थीं । फिर हमारी टोलियाँ गाँव के विभिन्न प्रांतों में जाकर उन फूलों से घरों की देहरियाँ सजाईं । उन घरों से दक्षिणा के रूप में दाल, चावल, गुड आदि मिले । हमने इक्कीस दिनों से मिली इन चीज़ों से सामूहिक भोज बनाया । मेरे साथ अनेक लडके-लडकियाँ थे । वे सभी उत्साह के साथ इस जश्न में भाग लिए । बुजुर्ग लोग हमें सलाह देने केलिए वहाँ उपस्थित थे । हम आज से अगले वर्ष के फूलदेई के त्यौहार की प्रतीक्षा में हैं ।

वहाँ तुम्हारी खबर क्या-क्या हैं ? माँ-बाप से मेरा पूछताछ कहना । जवाब पत्र की प्रतीक्षा से,

सेवा में,
नाम
पता ।

तुम्हारा मित्र
(हस्ताक्षर)
नाम

अथवा

पोस्टर – फूलदेई समारोह

उत्तराखंड कला समिति के नेतृत्व में

सामूहिक फूलदेई त्योहार

2019 मार्च 22, शुक्रवार को देहरादूर गाँव में
सुबह 8 बजे से रात 12 बजे तक

उद्घाटन - महापौर

- फूलों की प्रदर्शनी
- लोकगीत प्रस्तुति
- सामूहिक भोज
- गरीबों केलिए कपडा वितरण

सबका हार्दिक स्वागत

SREEJITH E. KOVOOR VARKALA, CORDYS Ph 9562...